प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में पशुचिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व छात्रों का सिल्वर जुबली समारोह

पंतनगर। 12 अप्रैल, 2025। विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के 1995–2000 बैच के पूर्व छात्रों का रजत जयंती एलुमनाई मीट भव्यतापूर्वक संपन्न हुआ। रतन सिंह सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय डा. ए.एच. अहमद, डा. दिनेश रावत, डा. संजीव पंत एवं डा. मीना मृगेश द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंच का संचालन बीवीएससी के छात्र वैभव गौर एवं नंदिनी वर्मा ने किया। इस एलुमनाई मीट के आयोजन में डा. संजीव पंत ने मुख्य भूमिका निभाई, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने गुरुजनों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सभी पूर्व छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और उन्हें अपनी सफलता का आधार बताया। एक भावनात्मक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से कालेज के दिनों की पुरानी यादों को ताजा किया गया। इस समारोह में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे विभिन्न राज्यों के साथ–साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया से भी पूर्व छात्र विशेष रूप से उपस्थित हुए। कुछ पूर्व छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर कॉलेज को पूर्व छात्रों ने दो इंटरैक्टिव पैनल Genus ABS की सहायता से भेंट किए, जो आने वाली पीढ़ियों के छात्रों के लिए शैक्षणिक, मार्गदर्शक और प्रेरणादायक संसाधन सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, 'एलुमनाई स्टूडेंट्स डायरेक्टरी' का भी विमोचन किया गया, जिसमें बैच के सभी छात्रों और उनके शिक्षकों का संक्षिप्त परिचय शामिल है। यह डायरेक्टरी न केवल संस्थान के इतिहास को संजोती है, बल्कि भविष्य के लिए एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक धरोहर के रूप में भी सुरक्षित रहेगी। वर्तमान में इस बैच के सभी पूर्व छात्र सेना (आरवीसी), प्रशासनिक सेवाओं, अनुसंधान संस्थानों, राष्ट्रीय संस्थानों, निजी प्रैक्टिस, निजी क्षेत्र और फार्मास्यूटिकल कंपनियों जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित क्षेत्रों में कार्यरत हैं और समाज में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में एलुमनाई मीट की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम संस्थान और पूर्व छात्रों के बीच स्थायी संबंध स्थापित करते हैं। उन्होंने महाविद्यालय की प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली की प्रशंसा की, जिसके माध्यम से विद्यार्थी विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

अधिष्ठाता डा. ए.एच. अहमद ने महाविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि महाविद्यालय में 21 अनुसंधान परियोजनाएं एवं 4 अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाएं सक्रिय रूप से संचालित हो रही हैं, जो संस्थान की शैक्षणिक एवं अनुसंधान गुणवत्ता को दर्शाती हैं। उन्होंने बताया कि इस बैच के 30 छात्रों ने जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की, जो संस्थान की उत्कृष्टता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मिलन समारोह न केवल पुरानी यादों को ताजा करते हैं, बल्कि मार्गदर्शन, सहयोग और नेटवर्किंग के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों की नियमितता से संस्थान की पहचान और छात्रों की प्रेरणा दोनों को बढ़ावा मिलता है, इसलिए इनका आयोजन प्रत्येक पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डा. मीना मृगेश ने सभी अतिथियों, पूर्व छात्रों और आयोजन समिति को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विशेष रूप से Genus ABS का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन और भी सफल एवं यादगार बन सका। यह एलुमनाई मीट पुरानी स्मृतियों को ताजा करने, संबंधों को मजबूत करने और नई पीढ़ियों को प्रेरित करने की दिशा में एक सफल और यादगार पहल साबित हुई।

ई. मेल चित्र सं. 1. कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।
ई. मेल चित्र सं. 2. एल्युमनाई के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।

निदेशक संचार